

1. बड़े चलो, बड़े चलो

आप जानते ही हैं... यह आवश्यक नहीं कि हरा जो चले, वह हमें आगामी रो गिल भी जाए। किसी लक्ष्य को पाने के लिए हमें कठिन परिश्रम भी करना पड़ता है। सफलता उन्हीं को मिलती है जो कठिनाइयों से भयभीत नहीं होते, जो अपने लक्ष्य पर अडिग बने रहते हैं और जिनमें विफलियों से जुझने की क्षमता होती है।

पाठ-प्रवेश... कविता विश्व की विशेषता ही यह है कि इसमें शीर्ष में बहुत कुछ कहा दिया जाता है। वह कविता इसकी मिसाल कही जा सकती है। इसमें कवि ने मात्र दो-दो तीन-तीन शब्दों को पंक्तियों के माध्यम से पाठकों के मन में यह जगता जगाने में सफलता पाई है जो कई पृष्ठों को पढ़ने तक भी लायक हो जाए पाते।

न हाथ एक शस्त्र हो,
न हाथ एक अस्त्र हो,
न अन्न-नौर-नस्न हो,
हटो नहीं,
डटो नहीं,
बड़े चलो,
बड़े चलो ॥

रहे समक्ष हिम शिखर,
गुम्हारा जग उठे निखर,
भले ही जाए तन खिखर,
रुको नहीं,
सुको नहीं,
बड़े चलो,
बड़े चलो ॥

घटा घिरो अटूट हो,
अधर पे कारकूट हो,
नही सुधा का मूँट हो,
जिए चलो,
भरे चलो,
बड़े चलो,
बड़े चलो ॥

गगन उगलता आग ही,
छिड़ा मरण का राग हो,
लहू का अपना फाग हो,
अडो नहीं,
गडो नहीं,
बड़े चलो,
बड़े चलो ॥





चलो, नई मिसाल हो,
जलो, नई मशाल हो,
बढ़ो, नया कमाल हो,
झुको नहीं,
रुको नहीं,
बढ़ें चलो,
बढ़ें चलो ॥

अशेष रक्त तोल दो,
स्वतंत्रता का मोल दो,
कड़ी युगों की खोल दो,

डरो नहीं,
मरो नहीं,
बढ़ें चलो,
बढ़ें चलो ॥
—सोहनलाल दयिकेरी

बाल-अनमोल Valuable Thoughts

- जिसके पास उम्मीद है वह हारकर भी नहीं हारता। —कलकत्ता
- विजयता बोलते हैं कि मुझे कुछ करना चाहिए, जबकि हारनेवाले बोलते हैं कि कुछ होना चाहिए। —विले खेटा
- मैं हर कदम पर हारा हूँ, पर जन्मा केवल जीत के लिए हूँ। —एम्पर्स

11

Copyrighted material



इस पाठ से हमने जाना

जीवन में कुछ भी पाना आसान नहीं होता। डॉ. अम्बेदी लगे और परिश्रम से सब-कुछ आसान बनाया जा सकता है। जब किसी संकट से सामना हो, तब उससे डरकर दूर नहीं भागना चाहिए बल्कि उसे एक चुनौती मानकर उसका सामना करना चाहिए। संकट से मुक्ति का सबसे सही उपाय है उसी को ओझार बनाकर उसे पराजित करना।

अभ्यास

शब्दार्थ-ज्ञान Word-Meaning

- शस्त्र — हाथ में पकड़कर चलाया जानेवाला हथियार—तलवार आदि;
अस्त्र — फेंककर चलाया जानेवाला हथियार—तीर आदि; अन्न — अनाज;
नीर — पानी; समक्ष — सामने; हिम शिखर — चरम से दके पहाड़ को चोटी;
प्रण — कसम, प्रतिज्ञा; अटूट — न टूटनेवाला, मजबूत; अधर — होंठ;
कालकूट — जहर, विष; सुधा — अमृत, औषधि, समाधान; फाग — होली;
मिसाल — उदाहरण; अशेष — कुछ भी बाकी न बचे; कड़ी — गृहला, जंजीर

वाचन/श्रुतलेखन Pronunciation/Dictation

शस्त्र, अन्न, समक्ष, प्रण, अधर, कालकूट, सुधा, उगलता, फाग, अशेष, स्वतंत्रता, कड़ी

पाठ-चर्चा Textual Literacy

बताओ —

1. कवि कहाँ बढ़ने की बात कर रहा है ?
2. तन बिखरने पर भी क्या नहीं करना है ?
3. किन परिस्थितियों में भी अड़े रहना चाहिए ?
4. कविता का वाचन ऊँचे स्वर में करो।

Speaking Skills

12

Copyrighted material

लिखो —

क. कवितांश Comprehension

कविता की पंक्तियाँ पढ़कर सही उत्तर पर ✓ लगाओ—

घटा घिरी अटूट हो, जिए चलो, मरे चलो,
अधर पे कालकूट हो, बढ़े चलो, बढ़े चलो ॥
वही सुधा का फूट हो,

1. 'बढ़े चलो, बढ़े चलो' का अर्थ है—
क. कहीं भी चलना ख. विकास करना
ग. जीवन में आगे बढ़ते रहना घ. 'ख' और 'ग' ठीक हैं
2. कवि किस घटा के धिरे की बात कर रहा है ?
क. बादल छा जाना ख. मुसीबतों के बादल छाना
ग. शान घट जाना घ. चलते-चलते मर जाना
3. 'कालकूट को ही सुधा समझो', पंक्ति का अर्थ है—
क. विष को ही अमृत समझो ख. कठिनाइयों का सामना करो
ग. कालकूट—मुसीबत; सुधा—समाधान घ. तीनों ठीक हैं

ख. अधिकतम शब्दों में in maximum words—

1. कवि बार-बार 'बढ़े चलो, बढ़े चलो' क्यों कह रहा है ?
2. आगे बढ़ने पर क्या होगा ?
3. हमें किसकी तरह चलना और जलना है ?
4. स्वतंत्रता का मोल किस तरह चुकाया जा सकता है ?
5. कविता स्वतंत्रता से पहले लिखी गई थी या बाद में— यह किस अंश से पता चलता है ?

कविता के बारे में... Aesthetics

कविता का सबसे बड़ा गुण होता है—गेयता; लय और तुक का होना। इस कविता की प्रत्येक पंक्ति के अंतिम वर्ण या ध्वनि पर ध्यान दो— हो... हो, नहीं...वहीं, चलो...चलो, शिखर... निखर आदि। समान वर्ण आने के कारण ध्वनि-साम्यता से इसमें लय, धुन (Rhythm) पैदा हो गई है। इसे काव्य-सौंदर्य कहा जाता है।

13

Copyrighted material

कविता से तुफांत शब्द छांटकर लिखो—

...अटूट हो...कालकूट हो...फूट हो

भाषा-सरिता Language

Thinking Skills

1. इस कविता में अनेक क्रियाएँ (Verbs) आई हैं। क्रिया यानी ऐसा शब्द जिससे किसी काम का करना या होना ज्ञात हो। जैसे— बढ़ना, चलना, खाना, पीना आदि।
कविता में आई क्रियाओं में 'ना' जोड़कर नए शब्द में आए बदलाव को जानो—
हटो हटना डटो उठे
रुको झुको मरे
अड़ो गड़ो चले
2. विलोम लिखो (Antonyms)—
सुधा — अमृत बढ़ना —
दंड — गगन —
मरण — नया —
स्वतंत्रता — जलना —
3. हिंदी भाषा में अनेक ऐसे शब्द हैं जिनके अर्थ समान प्रतीत होते हैं पर वास्तव में होते नहीं। जैसे— अस्त्र— जिसे हाथ में पकड़कर चलाया जाए—तलवार आदि।
शस्त्र— जिसे फेंककर प्रहार किया जाए—भाला आदि।

इन शब्दों से ऐसे वाक्य बनाओ जिनसे उनके अलग-अलग अर्थ स्पष्ट हो जाएँ—

- क. तन —
मन —
ख. प्रण —
प्राण —
ग. राग —
रा —

14

Copyrighted material

रचनात्मक गतिविधियाँ

रुचि के अनुसार कोई एक करो do any one—

Musical, Verbal Literacy

- अनेक कवियों ने इसी भाव की कविताएँ लिखी हैं। इन कविताओं को पुस्तकालय से लेकर अथवा इंटरनेट पर ढूँढ़कर कक्षा में काव्य-पाठ करो— (Recitation)
 - हरिवंश राय 'बच्चन' — अग्निपथ, पथ की पहचान
 - मैथिलीशरण गुप्त — नर हो न निराश करो मन को
 - गोपालदास 'नीरज' — मैंने बस चलना सीखा है

google search : www.kavitaakosh.org; www.abhivyakti-hindi.org

Visual and digital Literacy (ICT)

- सोहनलाल द्विवेदी की कविताओं का संकलन (Collection) करो और कोई एक कविता चार्ट पर लिखकर कक्षा में लगाओ।
- सोहनलाल द्विवेदी के जीवन के बारे में जानकारी जुटाकर परियोजना कार्पी में लगाओ अथवा Power Point Presentation (P.P.T.) तैयार करो। google search : www.wikipedia.com

Academic Literacy

- आपके छोटे-से जीवन में क्या कभी ऐसा अवसर आया है जब आपने बहुत हिम्मत जुटाकर किसी काम को पूरा किया हो? अनुच्छेद लिखो— कभी न भूली जा सकनेवाली घटना। (Paragraph Writing)
- सेना में भर्ती के लिए लुभाता विज्ञापन तैयार करो। (Advertisement Writing)
- आपको कौन सबसे अच्छा लगता है—कोई अभिनेता, नेता, खिलाड़ी, रचनाकार या शौजी? अगर इनसे भेंट हो जाए तो क्या बातचीत करोगे? संवाद के रूप में लिखो। (Dialogue)

बतार...

न्यातिथी (मुन्ना का हाथ देखकर)— बेटा, तुम बहुत पढ़ोगे।

मुन्ना — सही कहा, पढ़ तो मैं बहुत रहा हूँ, आप तो यह बताओ कि पास कब होकैगा ?

15 >

Copyrighted material

अभ्यास कार्य

• कठिन-शब्द

1. शस्त्र
2. अस्त्र
3. अटूट
4. सुधा
5. समक्ष
6. हिमशिखर
7. अधर
8. प्रण
9. मिसाल
10. उगलता
11. फाग
12. अशेष
13. कालकूट
14. स्वतंत्रता
15. विपत्तियाँ

- पाठ चर्चा

बताओ -

प्रश्न 1. कवि कहाँ बढ़ने की बात कर रहा है?

उत्तर. कवि आगे बढ़ने की बात कर रहा है।

प्रश्न 2. तन बिखरने पर भी क्या नहीं करना चाहिए?

उत्तर. तन बिखरने पर भी रुकना नहीं चाहिए।

प्रश्न 3. किन स्थितियों में भी अड़े रहना चाहिए?

उत्तर. कठिन और विपरीत स्थितियों में भी अड़े रहना चाहिए।

- निम्न प्रश्नों को पढ़कर सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाए-

1. 'बढ़े चलो, बढ़े चलो' का अर्थ है?

(क) कहीं भी चलना ()

(ख) विकास करना ()

(ग) जीवन में आगे बढ़ते रहना ()

(घ) 'ख' और 'ग' ठीक है (✓)

2. कवि किस घटा के घिरने की बात कर रहा है?

(क) बादल छा जाना ()

(ख) मुसीबत के बादल छा जाना (✓)

(ग) शान घाट जाना ()

(घ) चलते-चलते मर जाना ()

3. 'काल कूट को ही सुधा समझो' पंक्ति का अर्थ है?

(क) विष को ही अमृत समझो ()

(ख) कठिनाइयों का सामना करो ()

(ग) कालकूट-मुसीबत; सुधा-समाधान ()

(घ) तीनों ठीक है (✓)

- कविता के बारों में -

कविता से तुकांत शब्द छाँटकर लिखो

1. अटूट, कालकूट, घूँट

4. तोल, मोल, बोल

2. शिखर, निखर, बिखर

5. मिसाल, मशाल, कमाल

3. अस्त्र, शस्त्र, वस्त्र

6. आग, राग, फाग

- भाषा सरिता

(1) कविता में आई क्रियाओं में 'ना' जोड़कर नए शब्द बनाओ-

1. हटो - हटना

2. डटो - डटना

3. उठे - उठना

4. मरे - मरना

5. गड़े - गड़ना

6. झुको - झुकना

7. रुको - रुकना

8. चले - चलना

9. अड़ो - अड़ना

(2) निम्न शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

1. सुधा - गरल
2. दंड - पुरस्कार
3. मरण - जीवन
4. स्वतन्त्रता - परतंत्रता
5. बढ़ना - घटना
6. गगन - धरती
7. नया- पुराना
8. जलना - बुझना

(3) निम्न शब्दों से ऐसे वाक्य बनाओ जिनसे उनके अलग अलग अर्थ स्पष्ट हो जाए-

1. तन - ताज़ी हवा तन को स्वस्थ रखती है।
मन - हमें मन लगाकर अध्ययन करना चाहिए।
2. प्रण - हमें हमेशा सच बोलने का प्रण लेना चाहिए।
प्राण - हमें जानवरों के प्राणों की रक्षा करनी चाहिए।
3. राग - तानसेन ने दीपक राग गाकर दीपक जला दिए।
रोग - बुखार एक साधारण रोग है।

• प्रश्न उत्तर (अधिकतम शब्दों में)-

1. कवि बार-बार 'बढ़े चलो, बढ़े चलो' क्यों कह रहा है ?
उत्तर- कवि बच्चों को निडर होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहता है। इसलिए वह बार-बार आगे बढ़ने की बात कह रहा है।
2. आगे बढ़ने पर क्या होगा ?
उत्तर- आगे बढ़ने पर हम अपने लक्ष्य को पा लेंगे
3. हमें किसकी तरह चलना और जलना है ?
उत्तर- हमें लोगों के लिए मिसाल बनकर चलना है और नया जोश भरने के लिए मशाल बनकर जलना है।
4. स्वतन्त्रता का मोल किस तरह दिया जा सकता है?
उत्तर- देश के लिए अच्छे कार्य करके हम स्वतन्त्रता का मोल दे सकते हैं ।

• मूल्याधारित प्रश्न -

1. जीवन में कठिनाइयों का सामना कैसे किया जाना चाहिए ?
उत्तर- जीवन में धैर्य, साहस, बल, बुद्धि एवं निडरता के साथ कठिनाइयों का सामना करना चाहिए। हमें कभी भी घबराना नहीं चाहिए। मुसीबतों का डट कर सामना करना चाहिए।